डॉल्फिन

रॉबर्ट ए. मॉरिस

चित्र: मोमोरू फुनाई



डॉल्फिन

रॉबर्ट ए. मॉरिस

चित्र: मोमोरू फुनाई





सुबह हो चुकी है.

आसमान में तेज़ सूरज चमक रहा है.

समुद्र शांत है.

ट्वीट! ट्वीट! ट्वीट!

ये आवाज़ें डॉल्फ़िन करती हैं.

वे बड़ी उत्साहित हैं.

वे एक बड़ी मादा डॉल्फ़िन

के चारों ओर तैरती हैं.

मादा डॉल्फ़िन एक शिशु को

जन्म देने वाली है.









सबसे पहले, उसके शरीर

से एक छोटी पूंछ निकलती है.

फिर अचानक

उसका बच्चा पैदा होता है.

वो तीन फ़ीट लंबा है.

माँ डॉल्फ़िन आठ फ़ीट लंबी है.

शिशु डॉल्फ़िन को "बछड़ा" कहते हैं.

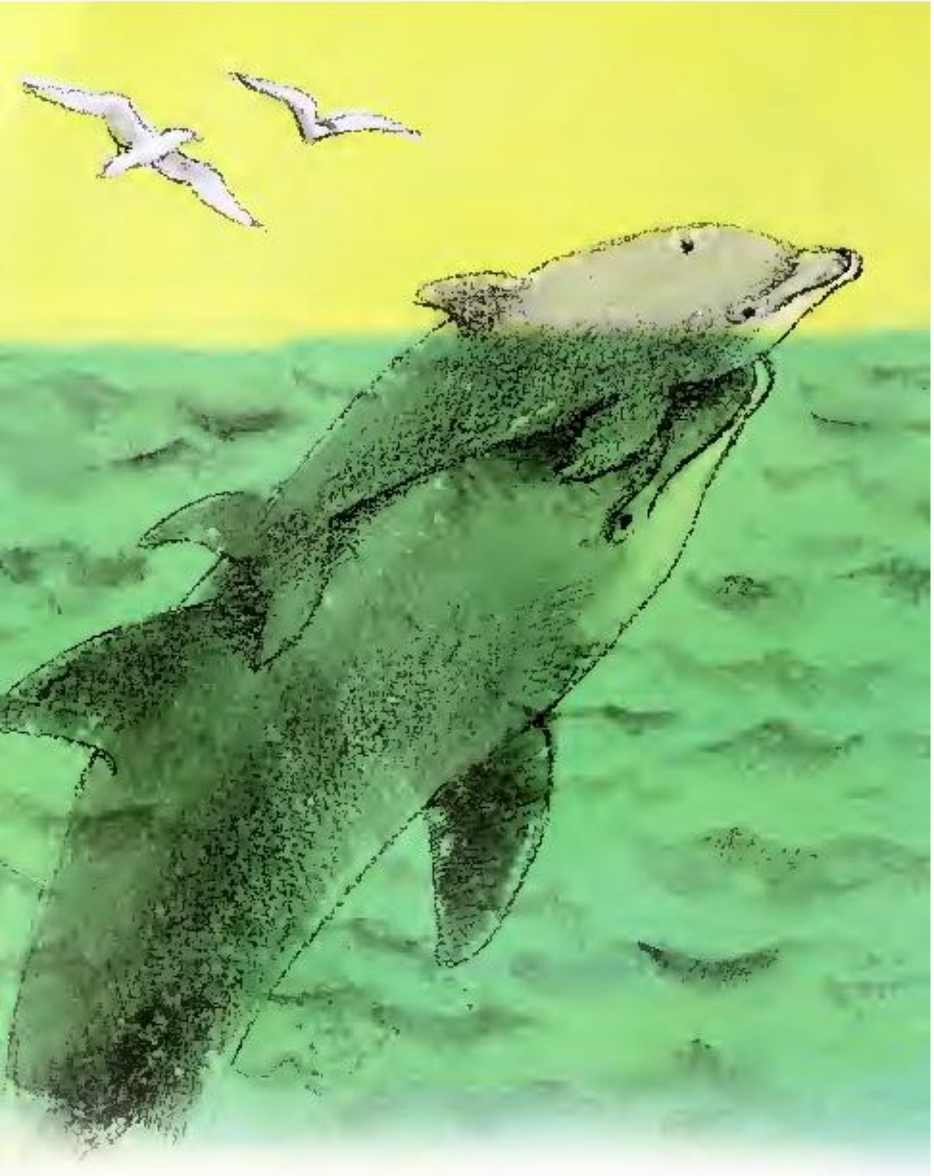
बड़ी मादा डॉल्फ़िन को "काऊ" कहते हैं.

बड़े नर डॉल्फ़िन को "बुल" कहते हैं.

नया बच्चा नर है.







डॉल्फ़िन स्तनधारीप्राणी होते हैं.

वो हवा में सांस लेते हैं.

नए बच्चे को जल्दी ही

हवा में सांस लेनी होगी,

नहीं तो वह डूब जाएगा.

माँ डॉल्फिन

जल्दी से अपने बच्चे के नीचे तैरती है.

वह धीरे से उसे पानी के ऊपर धकेलती है.

स्विश! स्विश!

बछड़ा हवा की पहली साँस लेता है.

उसकी नाक उसके सिर के ऊपर है.

इसे "ब्लोहोल" कहते हैं.

अब बच्चा खुद तैरता है.

जब उसे ज़रूरत होगी,

वह हवा में सांस लेगा.

बछड़ा भूखा है.

वह अपनी माँ के करीब तैरता है.

मां बच्चे की तरफ़ करवट लेती है.

बच्चा उसका गर्म दूध पीता है.







व्हिर्र! व्हिर्र! व्हिर्र!

डॉल्फ़िन को एक नई आवाज़ सुनाई देती है.

वह एक जहाज़ है.

डॉल्फ़िन उसकी ओर तैरती हैं.

बच्चा डॉल्फ़िन अपनी माँ के बगल में तैरता है.





बच्चा एक तेज़ तैराक है.

बच्चा डॉल्फ़िन अपनी दुम के

फ़्लूक को ऊपर-नीचे हिलाता है.

फ़्लूक उसे पानी में आगे धकेलते हैं.

उसकी पीठ के ऊपर का "फिन"

उसे पलटने से रोकता है.

उसके आगे के पंखों को

फ्लिपर्स कहते हैं.

बच्चा डॉल्फिन उनका उपयोग

ऊपर-नीचे तैरने

और दाएं-बाएं मुड़ने

के लिए करता है.

माँ और बच्चा तेज़ी से तैरते हैं.

वे जहाज़ के सामने पहुँचते हैं.

फिर वे तैरना बंद कर देते हैं.

वे जहाज़ द्वारा बनाई गई लहरों पर

सवारी करते हैं.





अन्य डॉल्फ़िन भी

उनके साथ जुड़ जाती हैं.

वे गोता लगाती हैं,

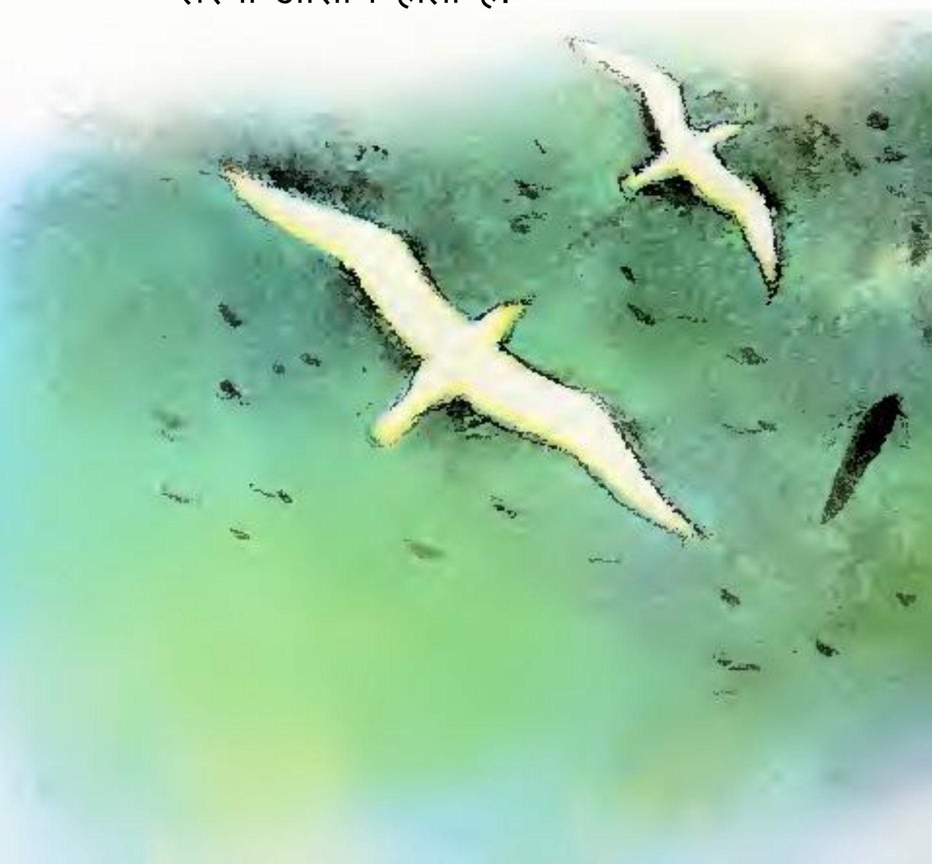
कूदती हैं और लहरों में खेलती हैं.

उनकी त्वचा

चिकनी और नंगी होती है.

उनके लिए पानी में

तैरना आसान होता है.









अंधेरा हो रहा है.

अब डॉल्फ़िन जहाज़ से दूर तैरती हैं.

क्योंकि अब आराम

करने का समय हो गया है.

बच्चा अपनी माँ को पुकारता है.

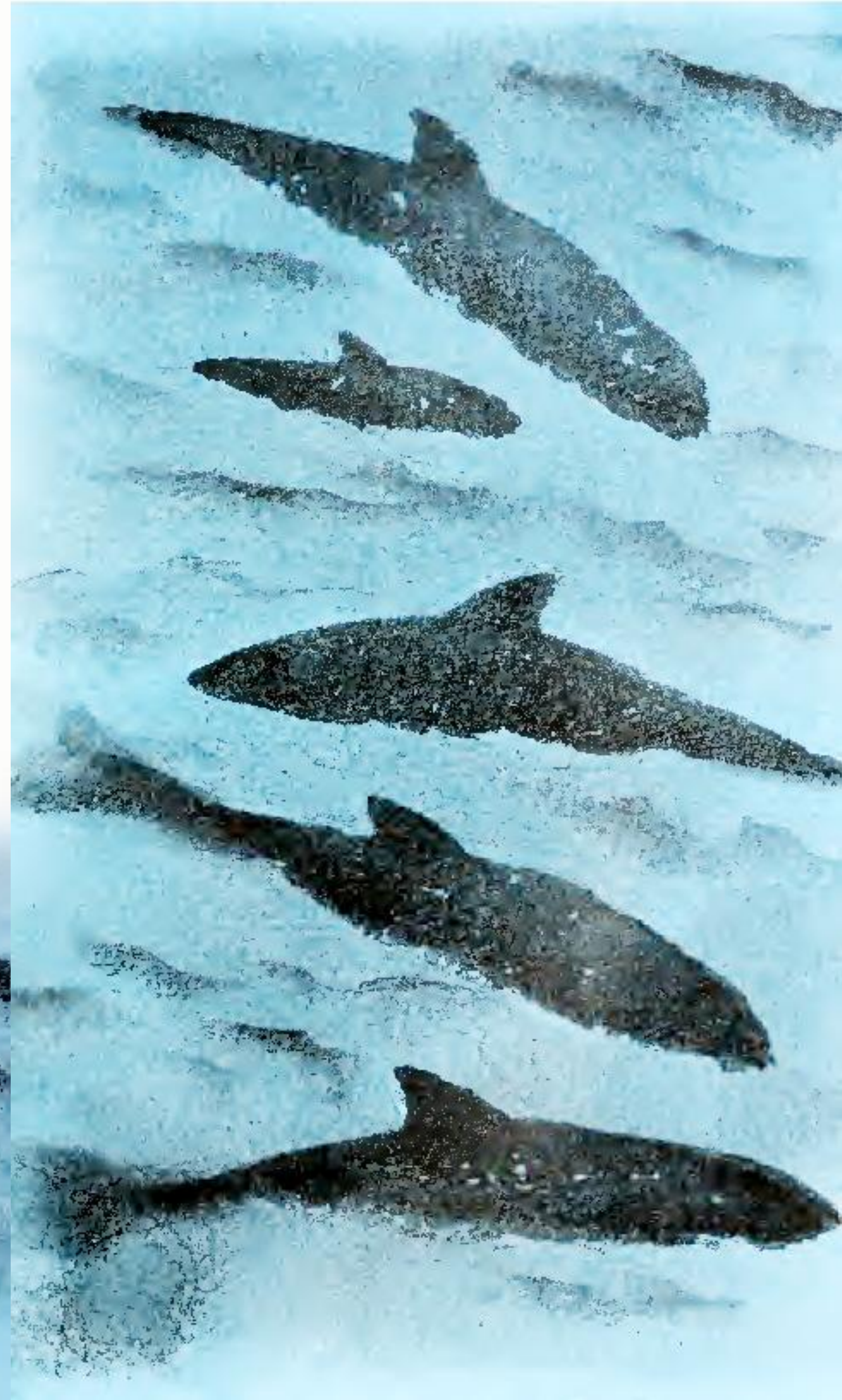
ट्वीट! ट्वीट! ट्वीट!

उसे अपनी माँ के दूध

की भूख लगी है.

डॉल्फ़िन पानी के ऊपर आराम करती हैं
और साँस लेती हैं.
वे कई घंटों तक आराम करेंगी.
बच्चा डॉल्फ़िन अपनी आँखें बंद कर लेता है.
उसके लिए वो एक लंबा दिन रहा है.







अगली सुबह माँ डॉल्फ़िन भूखी है.

उसे अपने लिए खाना ढूँढ़ना होगा.

डॉल्फ़िन एक-साथ समूह में

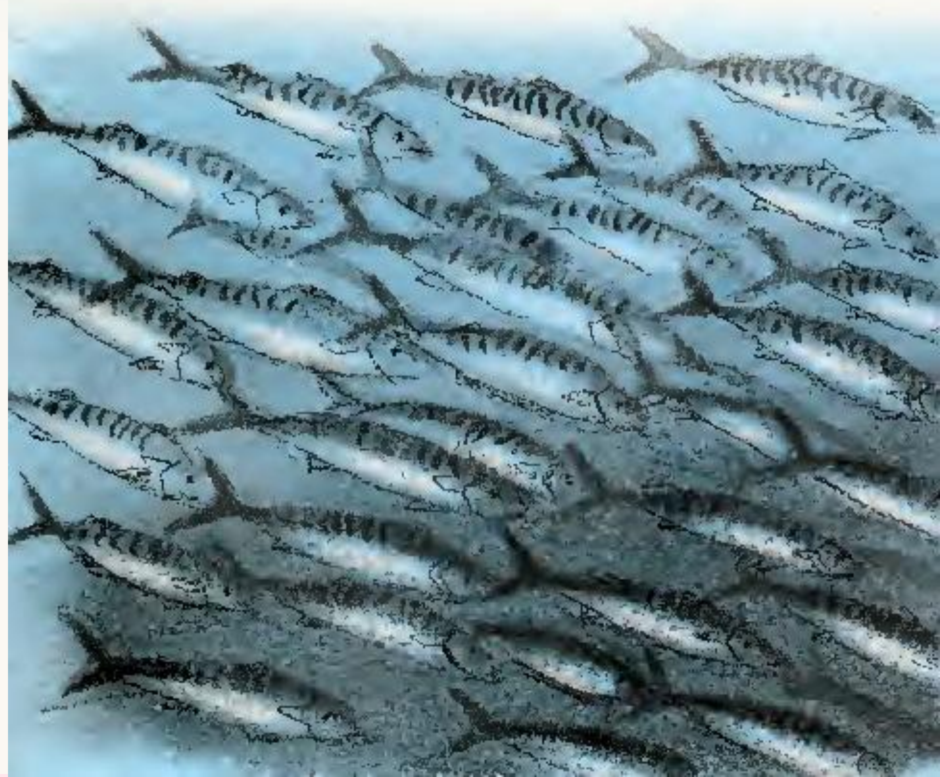
एक साथ शिकार करती हैं.

डॉल्फ़िन के समूह को "पॉड" कहते हैं.

"पॉड" हर दिन भोजन की तलाश करते हैं.

वे मछली, झींगा और छोटे स्क्विड खाते हैं.

आज उन्हें मैकेरल का एक बड़ा झुंड मिला.



मैकेरल उनसे दूर तैरते हैं.

लेकिन डॉल्फ़िन उनसे तेज़ हैं.

उनमें से कुछ डॉल्फ़िन मछलियों के झुंड के नीचे तैरते हैं.

कुछ दाईं ओर तैरते हैं,

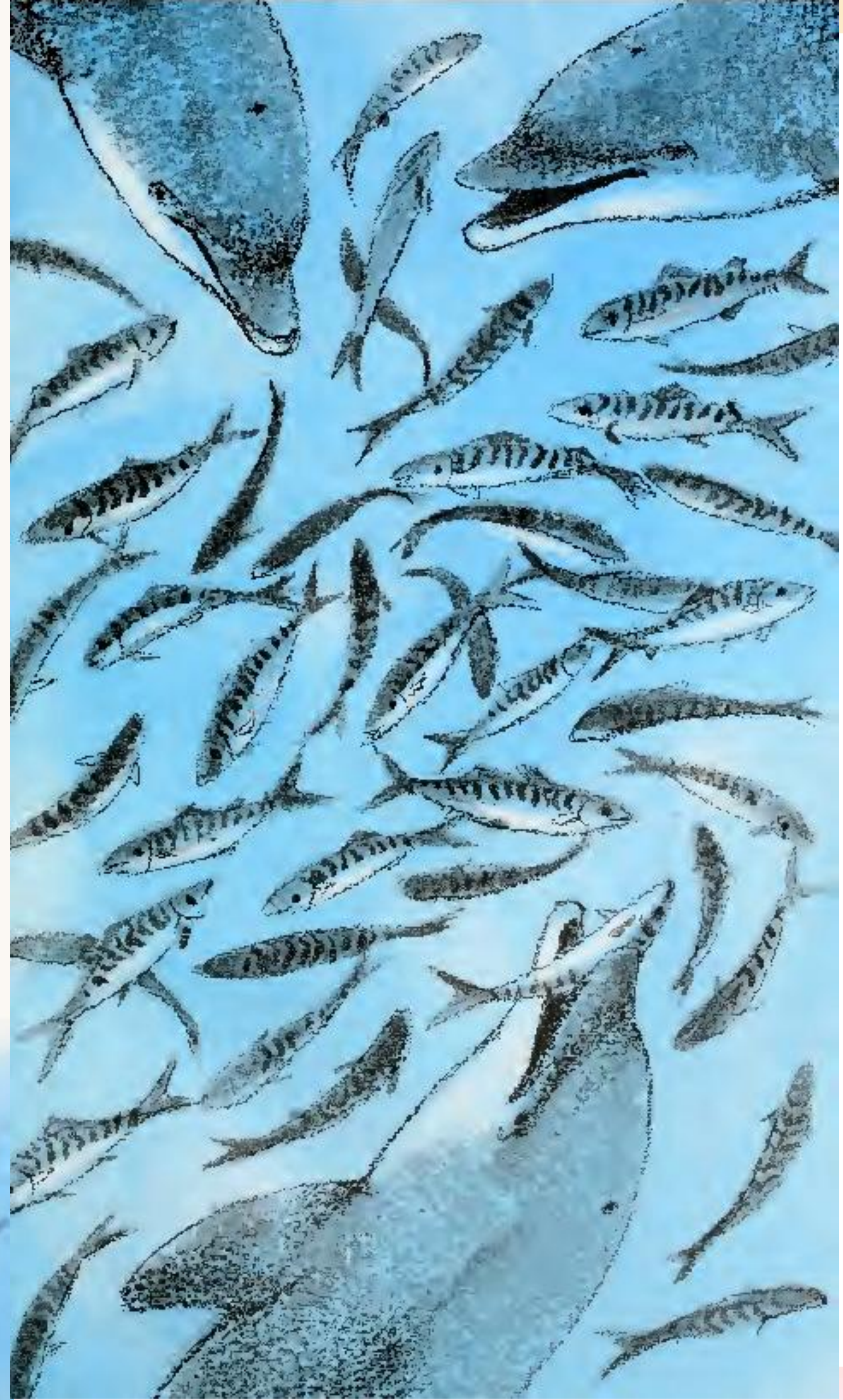
और कुछ बाईं ओर.

अब मैकेरल सभी एक-साथ हैं.

और डॉल्फ़िन के लिए

उन्हें पकड़ना आसान है.









एक घायल मछली डॉल्फ़िन

के बच्चे के पास तैरती है.

बच्चा जल्दी से उसे पकड़ लेता है.

लेकिन मछली बहुत बड़ी है.

बच्चा उसे अपने मुँह में नहीं पकड़ सकता.

इसलिए मछली भाग जाती है.



चुरप! चुरप! चुरप!

यह एक किलर व्हेल की आवाज़ है.

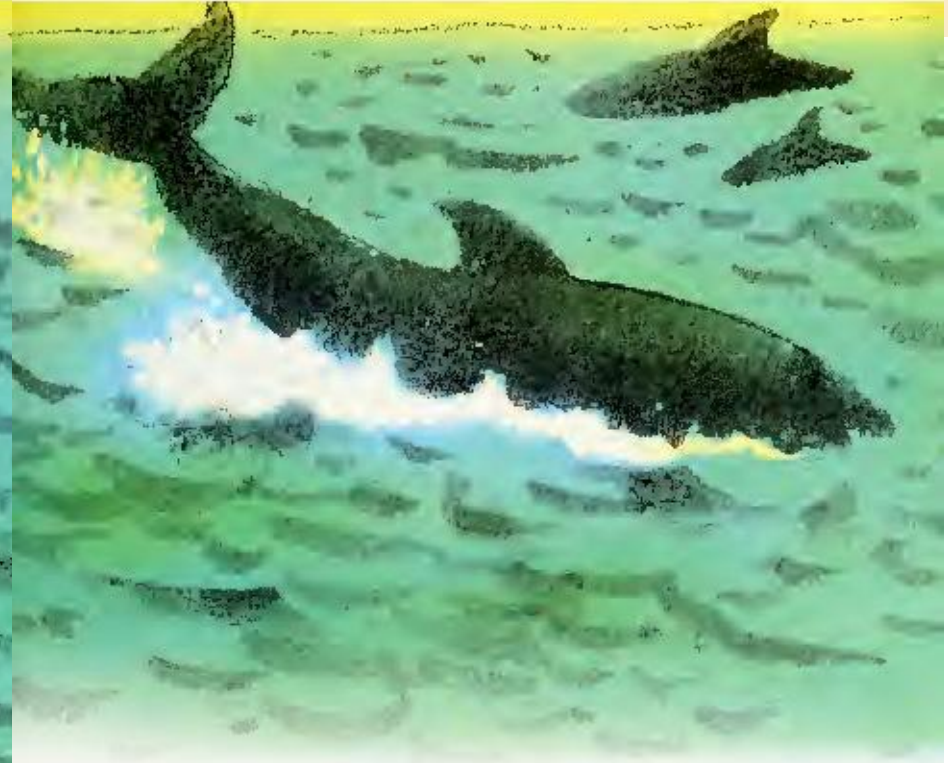
किलर व्हेल डॉल्फ़िन की दुश्मन हैं.

वे सील, बड़ी मछलियाँ

और डॉल्फ़िन खाती हैं.







स्लैप! स्लैप! स्लैप!

एक डॉल्फ़िन अपनी पूंछ से

पानी पर वार करता है.

यह एक खतरे का संकेत है.

माँ डॉल्फ़िन तेज़ी से

अपने बच्चे के पास जाती है.



सभी डॉल्फ़िन तैरकर दूर चली जाती हैं.

वे तेज़ी से तैरती हैं.

लेकिन किलर व्हेल

और करीब आती जा रही हैं.

बच्चा डॉल्फ़िन थक गया है.

कुछ बुल डॉल्फिन,

बछड़े की सुरक्षा के लिए

उसके पास तैरती हैं.





फिर किलर व्हेल

मैकेरल के बड़े समूह को देखती हैं.

वे मैकेरल का पीछा करती हैं.

डॉल्फ़िन तैरकर दूर चली जाती हैं.

अब वे सुरक्षित हैं.



हर दिन बच्चा बड़ा होता जाता है.

अब वह छह महीने का है.

वह चार फ़ीट से ज़्यादा लंबा है.

जब वह दो साल का होगा,

तो वह अपनी माँ जितना बड़ा होगा.









कभी-कभी माँ डॉल्फ़िन

अपने बच्चे को खाने के लिए

गोता लगाने के लिए छोड़ देती है.

जब वह चली जाती है, तो

दो अन्य मादा डॉल्फ़िन

बच्चे का ध्यान रखती हैं.

वे माँ डॉल्फ़िन की

बच्चे की देखभाल

करने में मदद करती हैं.

बच्चा डॉल्फ़िन

अपनी माँ जितनी गहराई

तक गोता नहीं लगा सकता.

वह सिर्फ़ तीन मिनट तक ही

पानी के अंदर रह सकता है.

माँ डॉल्फ़िन

एक सौ फ़ीट गहराई तक

गोता लगा सकती है.

गहरा पानी बहुत ठंडा होता है.

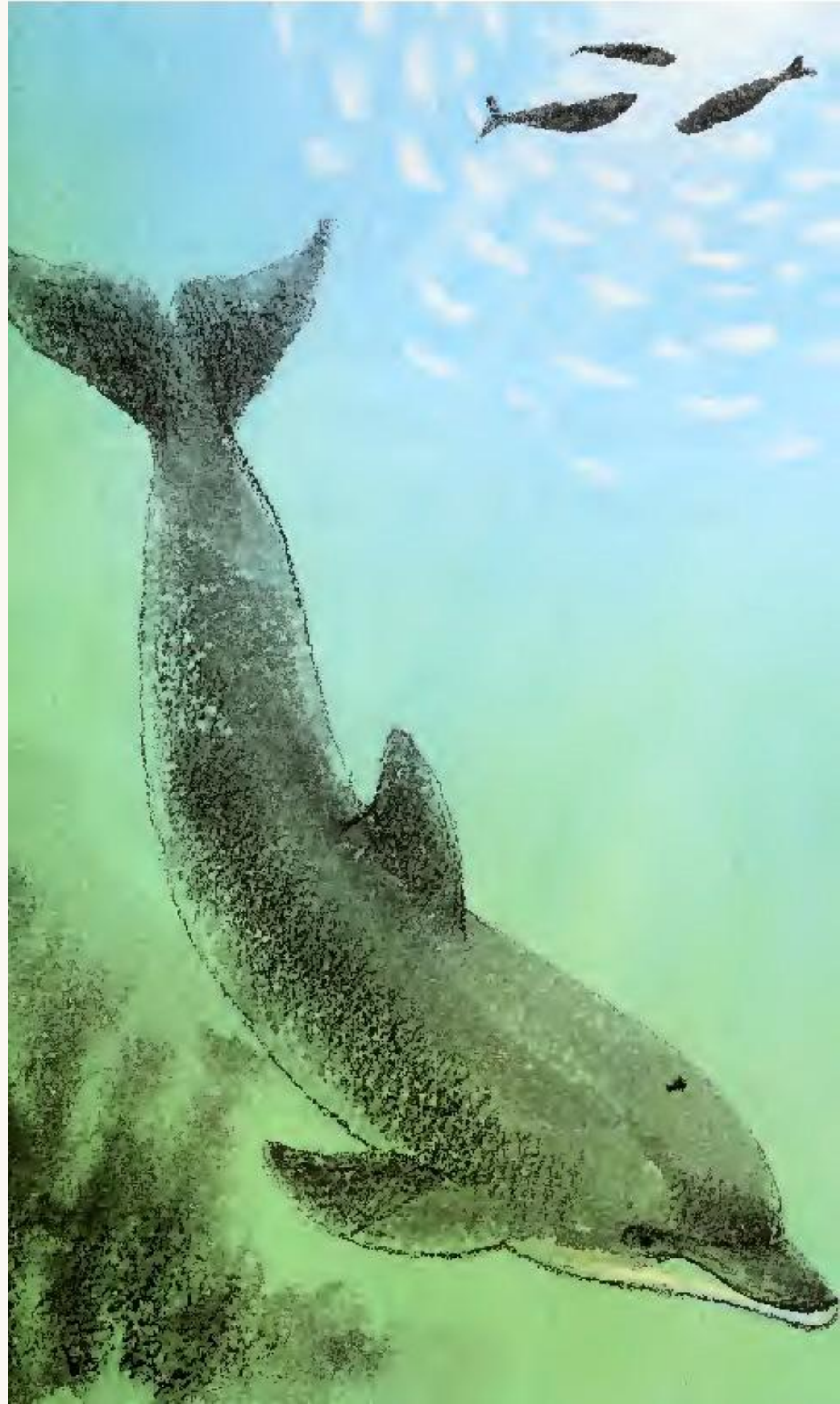
लेकिन उसकी त्वचा के नीचे

चर्बी की एक मोटी परत होती है.

चर्बी उसे गर्म रखती है.

मां डॉल्फ़िन छह मिनट तक

पानी के अंदर रह सकती है.



माँ डॉल्फिन अपने मुँह में
एक मछली लेकर वापस आती है.
वह मछली को छोड़ देती है.
वह चाहती है कि बछड़ा,
मछली खुद ही पकड़े.

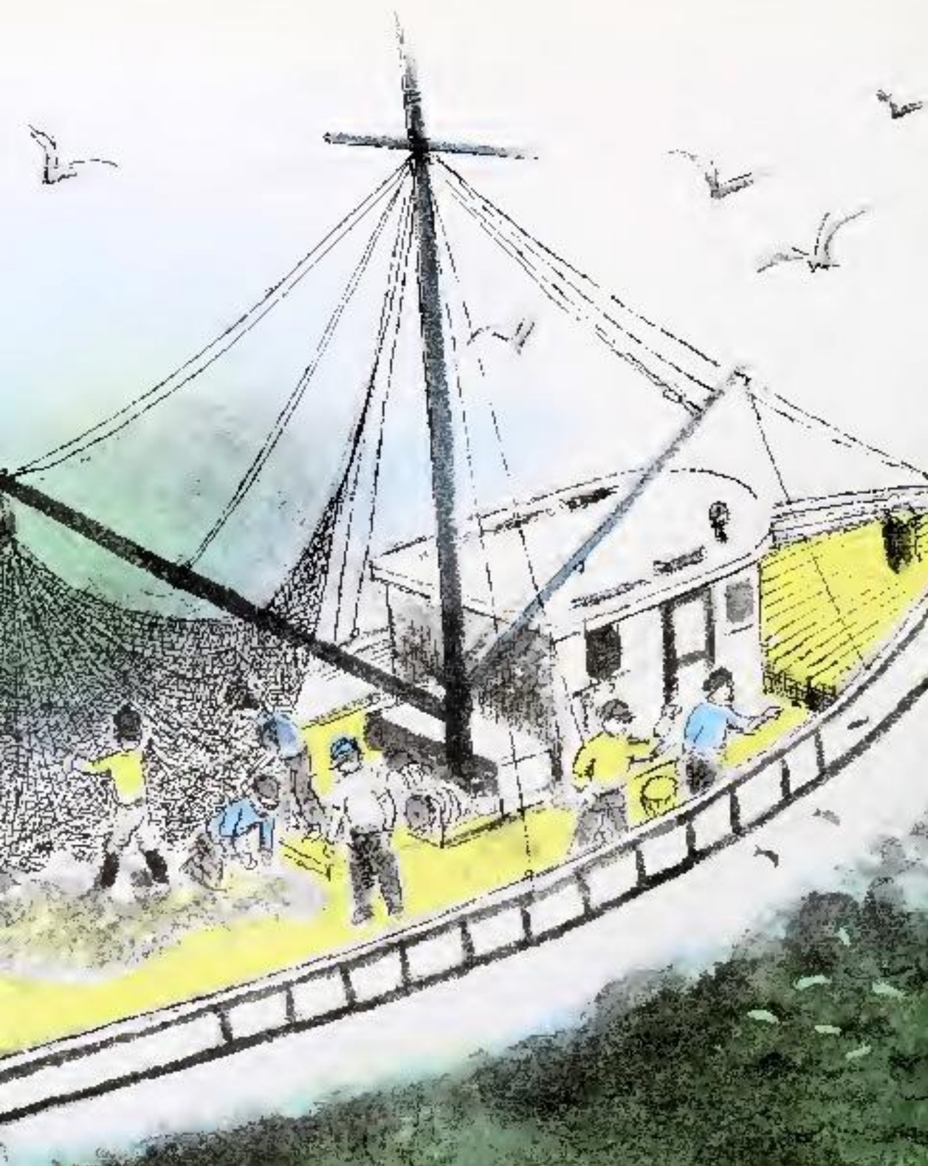




बछड़ा मछली का पीछा करता है
और उसे अपने दाँतों से पकड़ता है.
उसके छोटे दाँत
अब बच्चे के दाँतों जैसे नहीं हैं.
वह उन्हें पूरी ज़िंदगी रखेगा.
जैसे-जैसे वह बड़ा होगा,
उसके दांत भी बड़े होते जाएँगे.
बछड़ा मछली को चबाता नहीं है.
वह उसे पूरा निगल जाता है.

व्हिर्र! व्हिर्र! व्हिर्र!

झींगा (श्रिम्प) पकड़ने वाली नाव आ रही है.



नाव में आदमी बड़े-बड़े जाल खींचते हैं.

जाल झींगा और मछलियों से भरे हैं.

वे आदमी उनमें से सिर्फ झींगा ही निकालते हैं,

लेकिन उन्हें मछलियां नहीं चाहिए.

वे मछलियों को वापस समुद्र में फेंक देते हैं.

डॉल्फ़िन तेज़ी से तैरकर आती हैं

और वे फेंकी हुई मछलियां खा जाती हैं.



कभी-कभी पानी गदला होता है.

तब डॉल्फ़िन मछलियों को नहीं देख पाती हैं.

क्लिक! क्लिक! क्लिक!

डॉल्फ़िन विशेष आवाज़ें निकालती हैं.

ये आवाज़ें पानी में जाती हैं.

वे मछलियों से जाकर टकराती हैं

और फिर डॉल्फ़िन से जाकर टकराती हैं.





ये आवाज़ें डॉल्फ़िन को बताती हैं

कि मछलियाँ कहाँ हैं.





क्लिक! क्लिक! क्लिक!

छोटी डॉल्फ़िन छोटी मछलियों को खाते हुए

आगे-पीछे तैरती है.

अचानक, कीचड़ भरे पानी में

उसे एक बहुत बड़ा जीव दिखाई देता है.

वो माँ डॉल्फ़िन से बहुत बड़ा है.

वो एक विशाल टाइगर शार्क है.

शार्क भी मछलियों के पीछे है.

स्लैप! स्लैप! स्लैप!

उनमें से एक डॉल्फ़िन

ख़तरे की आवाज़ निकालती है.

बहुत देर हो चुकी है!

शार्क, छोटी डॉल्फ़िन को

फ़्लिपर से पकड़ लेती है.

छोटी डॉल्फ़िन घायल हो जाती है.

उसके फ़्लिपर का सिरा कट जाता है.





कई बुल डॉल्फ़िन, शार्क की ओर तैरते हैं.

वे शार्क को अपनी थूथनी से मारते हैं.

शार्क को चोट लगती है.

वह तैरकर दूर चली जाती है.



बच्चे डॉल्फिन को हवा की जरूरत है.

दो डॉल्फिन उसके नीचे तैरती हैं.

वे उसे पानी के ऊपर तक धकेलती हैं.

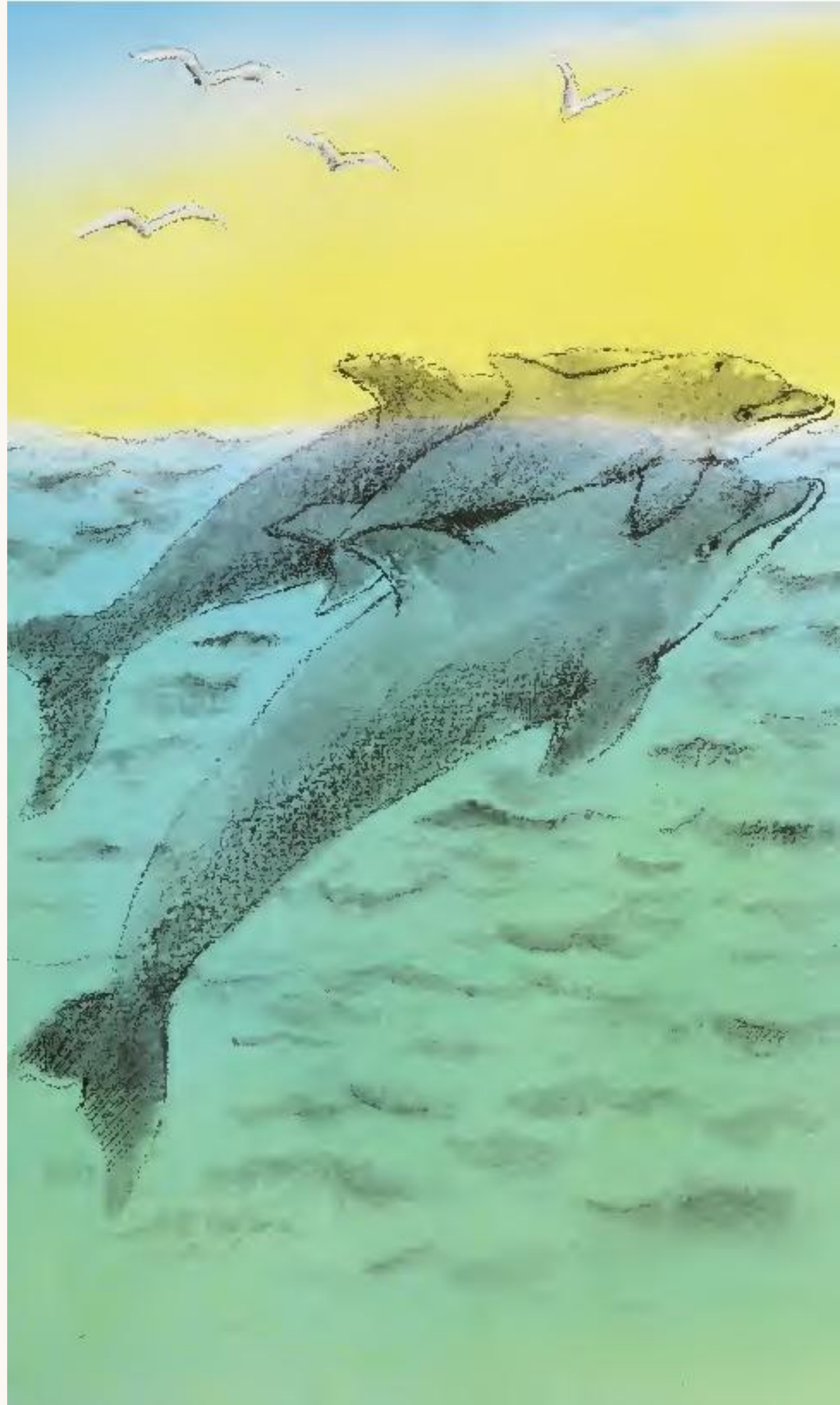
अब वह सांस ले सकता है.

डॉल्फिन का झुंड बच्चे की

रक्षा के लिए उसके पास रहता है.

उसे ज्यादा चोट नहीं लगी है.

उसका फ्लिपर जल्दी ही ठीक हो जाएगा.







ट्वीट! ट्वीट! ट्वीट!

माँ डॉल्फिन पुकार रही है.

बच्चा डॉल्फिन उसके पास तैरता है.

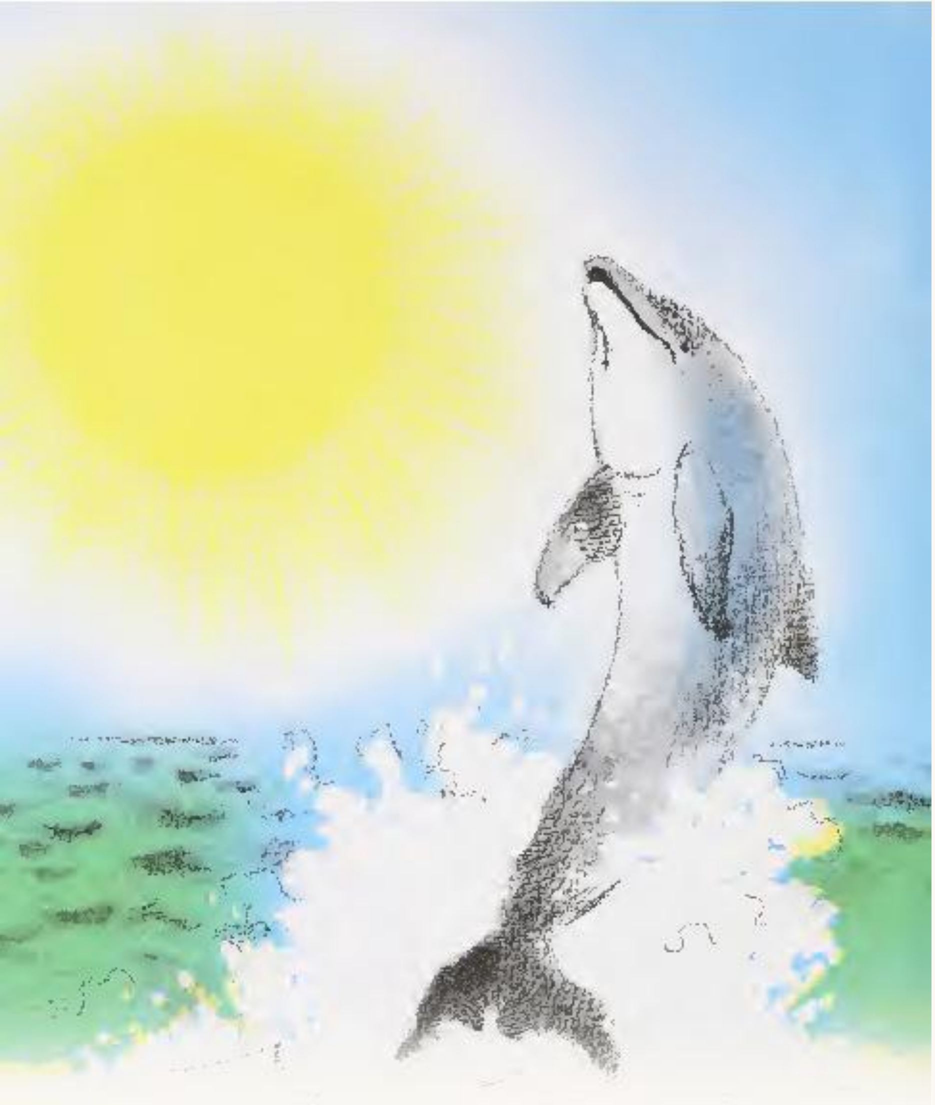
दूध पीने का समय हो गया है.

एक साल का होने के बाद

डॉल्फिन के बच्चे को

दूध की जरूरत नहीं होगी.

वह खुद अपनी देखभाल कर सकेगा.



डॉल्फिन तीस साल तक जीवित रह सकता है.

वह लंबे समय तक झुंड के साथ रहेगा.

अंत